

## नीतिआयोग की तरज़ पर रैंकगि

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के योजना एवं विकास मंत्री वजिंदर प्रसाद यादव ने नीतिआयोग की तरज़ पर वर्ष 2030 तक **सतत विकास लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिये पूरे प्रदेश में ज़िलिवार रैंकगि करने की घोषणा की है।

### प्रमुख बिंदु

- यह रैंकगि सतत विकास लक्ष्य के लिये निर्धारित 17 प्रमुख मानकों के क्रियान्वयन पर राज्य के ज़िलों की स्थितिका मूल्यांकन करते हुए जारी की जाएगी।
- इस संबंध में योजना एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आमरि सुवहानी ने राज्य के सभी ज़िलाधिकारियों को पत्र लिखकर लक्ष्य को लेकर ज़िला सूचकांक फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा है।
- इसमें यह अवलोकन किया जाएगा कि **गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, महिला सशक्तीकरण एवं पर्यावरण सुरक्षा** जैसे सतत विकास लक्ष्य के विभिन्न आयामों पर ज़िले की क्या उपलब्धि रही है।
- ज़िला स्तर पर सतत विकास लक्ष्य का मूल्यांकन के लिये ज़िला योजना पदाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं इसकी संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी (मॉनीटरिंग) की ज़िम्मेदारी ज़िलाधिकारी को दी गई है।
- उल्लेखनीय है कि सतत विकास के उद्देश्य को पूरा करने हेतु सितंबर 2015 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** की शिखर बैठक में 17 सतत विकास लक्ष्यों को अपनाया गया था। यह बर्ष 2016-30 के लिये वैश्विक एजेंडा है, जो 1 जनवरी, 2016 को लागू हुआ था।